डा॰ प्रभा ठाकुर: धन्यवाद सभापति महोदय। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या देश के सभी विमानपत्तनों पर सुरक्षा प्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था एक जैसी ही है या उसमें इसमें कोई भिन्नता है और भिन्नता है तो क्यों?

दूसरी बात मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या मंत्री महोदय को जानकारी है कि कई विमानपत्तनों पर सुरक्षा व्यवस्था के चलते जो लोग पोर्टर का काम कर रहे थे, जो कुली का काम कर रहे थे, उनमें से कई नौजवानों को सुरक्षा के नाम पर बेरोजगार कर दिया गया है? क्या कोई समुचित सुरक्षा प्रणाली बनाकर उनको फिर से रोजगार देने के लिए आप कदम उठायेंगे? क्या इस तरह का आपका कोई विचार है?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति महोदय, करीब-करीब सभी जगह पर एक जैसी सुरक्षा प्रणाली है। जहां तक सवाल पोर्टर के संबंध में है, इस तरह की कोई सूचना मेरे पास नहीं है कि सुरक्षा के नाम पर हमने किसी को अलग किया है। जो टेम्परेरी लेबर काम करती है, उनको हम अलग से पास जारी करते हैं, उसका कलर अलग होता है, इसलिए यह जानकारी सही नहीं है।

Fund for expansion of AI and IA

*102. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the details of expansion plans for Indian Airlines and Air India to increase frequencies both in domestic and international sector;

(b) what are the likely sources of funds required for the purpose; and

(c) what will be the estimated share of air travel of these airlines after the enhancement of their fleets?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Indian Airlines has proposed to acquire 43 new aircraft for replacement of the entire fleet of old aircraft and for capacity expansion. Air India has plans to acquire new aircraft in order to phase out the older aircraft, rationalise its fleet and expand capacity. The proposal is yet to be received in the Ministry for Government approval.

(b) As per international practice and as was done by Air India and Indian Airlines on earlier occasions, the two national carries will raise fund for fleet acquisition through commercial borrowings in international/ Indian market.

(c) Actual market share of any airline at any point of time depends upon the competition between different airlines, the capacity deployed by them and actual growth of air traffic. Therefore it is difficult to predict the market share of an airline accurately. As per the acquisition proposal, Indian Airlines is likely to increase its share in the domestic air travel market to about 55% and to maintain its present share of about 11% in the international air travel market to/from India, despite the expected 5% growth. The market share of Air India can be estimated after the finalisation of the acquisition proposal.

SHRI K. RAHMAN KHAN: Mr. Chairman Sir, the answer to part 'A' of my question is that Indian Airlines has proposed to acquire 43 aircraft for the replacement of the entire fleet of aircraft. Sir, in regard to the Indian Airlines, the Government had assured the Parliament in December, 2001 that they are acquiring 43 aircraft; In July, 2002 they again assured that they are acquiring 43 aircraft. Even now, they said that there is a proposal to purchase 43 aircraft. Sir, the last purchase of aircraft was in the year 1989-91, when we purchased 32 aircraft. After that, the Indian Airlines has not acquired any aircraft and thereby, all the aircraft have become old and we are losing the market share. I would like to know whether this is a deliberate attempt on the part of the Government. Even in the case of Air India, the Parliament was told that there is a proposal to acquire 22 medium-capacity, long-range aircraft. Now, it is being said that the proposal is yet to be received in the Ministry for the Government's approval. Last time, when the French Prime Minister was here, he had made a statement that the Government has agreed for the purchase of Airbus aircraft. The House would like to know the exact position of the Indian Airlines and the Civil Aviation Ministry with regard to this proposal.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, यह काफी महत्वपूर्ण सवाल है और इसका कई बार मैं पहले भी जवाब दे चुका हूं। सरकार ने कई बार निर्णय किया कि इंडियन एयरलाइन्स, एयर इंडिया के लिए नये एयरक्राफ्ट खरीदे जाये। यह सही है कि 1989 में एयरबस-320 खरीदे गए थे, उसके बाद से कोई जहाज खरीदा नहीं गया है। इसके लिए सरकार ने दो बार 1986 में और 1988 में निर्णय किया। लेकिन उस वक्त चुनाव आ गए और उस वक्त की गवर्नमेंट नये हवाई जहाज खरीद नहीं पायी। अभी इंडियन एयरलाइन्स और एयर इंडिया दोनों का डिस-इस्वेस्टमेंट होना था, इसलिए नये विमान खरीदने पर विचार नहीं हुआ। जब 11, सितम्बर की घटना अमेरिका में हुई और उसके बाद एविएशन इंडस्ट्री को बहुत धक्का लगा। उसके बाद मेरी वित्त मंत्री जी से बात हुई

और सरकार ने यह महसूस किया कि आज के माहौल में डिस-इन्वेस्टमेंट का एविएशन में माहौल नहीं है। चूंकि कैबिनेट कमेटी ऑन डिस-इन्वेस्टमेंट इंडियन एयरलाइन्स और एयर इंडिया को डिस-इन्वेस्टमेंट की सूची में डाल चुकी है, इसलिए फाइनेंस मिनिस्ट्री ने हमें यह सुझाव दिया था कि पहले आप कैबिनेट कमेटी ऑन डिस-इन्वेस्टमेंट में जाये और उसमें उनसे यह पूछे कि इसका डिस-इन्वेस्टमेंट होना है या नहीं होना है। अभी-अभी सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने कैबिनेट कमेटी ऑन डिस-इन्वेस्टमेंट को यह लिखा है कि आज के माहौल में इसका डिस-इन्वेस्टमेंट होना संभव नहीं है, इसलिए आप इसको सूची से बाहर कर दें। जब यह डिस-इन्वेस्टमेंट की सूची से बाहर आयेगा तभी सरकार नये विमान खरीदने का निर्णय ले सकती है। लेकिन इंडियन एयरलाइन्स को जो प्रक्रिया शुरू करने के लिए हमने कहा था, उन्होंने अपनी प्रक्रिया शुरू की है, 43 विमान और 56 इंजन के साथ, जिसके अंदर 122 सीटर 19, 145 सीटर 4 और 172 सीटर 20, ये करीब 1089 करोड़ के पूरे विमान होंगे। जो अभी हमारे पास विमान हैं, उनका सभापति जी मेरे पास पूरा डिटेल है। लेकिन मैं सिर्फ इस बात की जानकारी देना चाहता हूं कि जब यह कैबिनेट कमेटी ऑन डिस-इन्वेस्टमेंट में हम जल्दी ही जा रहे हैं। हमने उनको प्रस्ताव भेजा है, जैसे ही यह कैबिनेट कमेटी ऑन डिस-इन्वेस्टमेंट से बाहर आ जायेगी, तब हम यह निर्णय करेंगे। जहां तक फ्रांस के प्राइम मिनिस्टर साहब के बयान का.....(व्यवधान)....

SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Have you anything in the pipeline for the North-Eastern States also? You have given only two aircraft ....(*Interruptions*)... As a Minister, you are making a statement. It has been pending since 1989, but, still you are talking about disinvestment. How are you making such a statement as a Minister? ....(*Interruptions*).....

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, इनका सवाल एकदम अलग है। ये एन्टी-आर्म के बारे में पूछ रहे हैं। जहां तक फ्रांस के प्राइम मिनिस्टर साहब के बयान का संबंध है, यह अभी प्रोसेस हो रहा है, इसलिए सरकार ने इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है।

श्री के० रहमान खान: सर, मेरा सेकेंड सप्लीमेंटरी यह है कि इंडियन एयरलाइन्स और एयर इंडिया का शेयर गिरता जा रहा है। पांच साल पहले इंडियन एयरलाइन्स का शेयर 60 परसेंट था। 1998 में यह 59 परसेंट हुआ। आज इसका शेयर 41 परसेंट है जबकि जेट एयरलाइन्स का शेयर 47 परसेंट है। एयर इंडिया का शेयर जो 20 परसेंट था, वह अब गिरकर 11 परसेंट हो गया है। तो क्या गवर्नमेंट एयरलाइन्स चलाने में really interested है? यदि है तो इसका शेयर किस तरह से बढ़ाया जाएगा?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, मैंने पहले ही कहा कि गवर्नमेंट interested है, इसीलिए तो हम विमान खरीदने जा रहे हैं। अभी हमारे पास 46 .....(व्यवधान).....

सभापति जी, मुझे आपका संरक्षण चाहिए क्योंकि यह जवाब बहुत महत्वपूर्ण है। अभी हमारे पास 46 विमान हैं और 12 विमान लीज पर ले चुके हैं। ऐसा नहीं है कि हमने विमान नहीं खरीदे तो हमारी फ्लीट बढ़ी नहीं हैं 12 विमान लीज़ पर हैं, टोटल 58 विमान इंडियन एयरलाइन्स के पास हैं। अगर हम 43 विमान खरीदेंगे तो कुल 73 हो जाएंगे। अभी 70 लाख यात्रियों को लेकर हमारे विमान जाते हैं। यह संख्या एक साल में बढकर 1,03,14,000 हो जाएगी। मार्केट शेयर के बारे में जो उन्होंने कहा है कि वह गिर रहा है, यह सही नहीं है, क्योंकि हमारी इंडियन एयरलाइन्स इंटरनेशनल रूट्स पर भी जाती हैं, इसलिए हमारा मार्केट शेयर गिर नहीं रहा है बल्कि हमारा मार्केट शेयर पहले से बढ़ा है। एयर इंडिया के लिए उन्होंने कहा कि मार्केट शेयर कम है, वह अभी 11 प्रतिशत है। अगर हम ये नए विमान खरीदेंगे तो यह बढ़कर 14 प्रतिशत हो जाएगा।

SHRI ASHWANI KUMAR: Sir, the hon. Minsiter has stated that about one crore passengers would be ferried by the national carriers next year and, for that, he seeks to have finally 70 aircraft. Sir, it is well known that national carriers which carry the National Flags, are a matter of pride for every country. At a time when it is established that tourism is going to be the largest potential foreign exchange earning for this country, does the Minister really feel that with 70 aircraft, in its kitty, and one crore passenger traffic, he would be able to do justice in an environment where free sky is going to be the order of the day?

Sir, my second question to the hon. Minister is: What has the decision of disinvestment got to do with the acquisition of fleet? Once you acquire fleet, the quantum of amount that you are seeking as disinvestment proceeds will undergo a change. It will factor in the assets of a corporation. In the meantime, we cannot wait indefinitely while the market share of the national carriers is being taken away by the private airline.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, यह जवाब मैं पहले ही दे चुका हूं कि अभी सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने यह प्रस्ताव किया है कि आज के माहौल में इसका डिस-इनवेस्टमेंट संभव नहीं है, इसलिए डिस-इनवेस्टमेंट की सूची से इसे बाहर कर दिया जाए। जब हम नए जहाज खरीदेंगे तो हमारी फ्लीट ....(व्यवधान)....

श्री संजय निरुपम: यह आपका प्रस्ताव तो आपका है। डिस-इनवेस्टमेंट मिनिस्ट्री का क्या कहना है?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: हम केबिनेट कमेटी ऑन डिस-इनवेस्टमेंट में जाएंगे। इसमें डिस-इनवेस्टमेंट मिनिस्ट्री नहीं है। केबिनेट कमेटी ऑन डिस-इनवेस्टमेंट यह निर्णय करेगी,

इसलिए वह प्रस्ताव लेकर ही केबिनेट कमेटी ऑन डिस-इनवेस्टमेंट में जा रहे हैं और इतने विमान खरीद रहे हैं। इसके लिए तो आपने हमको बधाई देनी चाहिए कि हम इतना बड़ा कदम उठाने जा रहे है।

श्री लालू प्रसाद: महोदय, जब-जब इस देश में खरीद होती है तब-तब घपले से इंकार नहीं किया जा सकता है। महोदय, यह बिलकुल मिसलीडिंग है और ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं भीतर भी और बाहर भी। पहले डिस-इनवेस्टमेंट बाहर करके फिर उसे अंदर लाने का क्या औचित्य है? इस देश में गरीबों के लिए पीने का पानी नहीं है, भूख है और चारों तरफ किसान हाहाकार कर रहे हैं। आप फिर दस हजार करोड़ रुपए की खरीद कर रहे हैं। क्या आप इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि इसमें घपले नहीं होंगे?

श्री सभापति: नहीं होंगे, आप कह दीजिए छोटी सी बात है।

श्री लालू प्रसाद: सर, ये फसेंगे, ये फसेंगे और बलि का बकरा बनेंगे।

श्री सभापति: जब फसेंगे उस समय हम पकड़ लेंगे।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सर लालू जी की पूरी सिम्पैथी हमारे साथ हैं। ये मुझे बकरा नहीं बनने देना चाहते हैं। हम इनको आश्वस्त करना चाहते हैं कि पूरी प्रक्रिया ट्रांसपिरेंट हैं। यह पहला पब्लिक सैक्टर है जहां हमने इसको फाइनल करके सीएजी और सीवीजी को भेज दिया था कि आप इस पर कोई कमेंट्स दें। उन्होंने हमें लौटाया है और कहा कि अभी हम कोई कमेंट्स नहीं देंगे और पूरी तरह ट्रांसपिरेंट रखेंगे। यदि आपके कोई सुझाव होंगे तो उनको हम सम्मिलित करेंगे।

SHRIMATI BIMBA RAIKAR: Sir, I would like to ask the hon. Minister how many flights, both in Indian Airlines and Air India, are under operation on wet lease. I know that 25% of the aircraft are on wet release. Would, after the acquisition of the new Airbus fleet, Indian Airlines discontinue the present wet lease arrangement to generate funds towards deferred payments of new Airbus fleet? Sir, I would like to say....

श्री सभापति: आप क्वेश्चन करिए don't say anything. You put the question and you have already put it.

SHRIMATI BIMBA RAIKAR: There is only one thing, Sir. Let met say only one sentence, Sir. If your intention is to purchase new airbuses, then why don't you conclude this wet lease? We are losing so much of revenue in this wet lease. We are giving foreign exchange, and in 25 per cent of the planes, which wet are using, we have nothing to do. The crew

is there, the plane is there, the pilot is there; we are only sending the passengers. What is the revenue that we are getting from that? So, what is your view on that? Are you going to stop it, or, do you want to continue with it still?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सर, वेट लीज पर नहीं बल्कि हमने कुछ विमान ड्राई लीज पर लिए हुए हैं। इंडियन एयरलाइन्स के पास अपने विमान 40 हैं और 12 विमान उसने ड्राई लीज पर लिए हुए हैं। जब हम नए विमान खरीदेंगे तो जो विमान ड्राई लीज पर लिए हुए हैं उनको हम फेज आउट करेंगे। जो पुराने विमान हैं जैसे एयर बस-300, तीन हैं और एयरलाइन्स के पास बोईंग-737, ग्यारह विमान हैं और डोर्नियर हैं। इसको फेज आउट करेंगे। इसी तरह एयर इंडिया के पास भी 21 अपने विमान हैं और 10 विमान ड्राई लीज पर हैं। जब नए विमान आएंगे तो वे उनकी जगह ले लेंगे।

*103. [The questioners Shri Raju Parmar and Shri Bhagatram Manhar were absent. For *vide* page ..... *infra*.]

Gas reserves at Andhra Pradesh coast

*104. DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to State:

(a) what steps Government have taken to tap the newly discovered gas reserves of Andhra Pradesh coast by Reliance Industries;

(b) whether an estimate has been made of quantum of gas reserves; and

(c) by when commercial use of gas reserves is likely to start?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) The consortium of Reliance Industries Ltd. (RIL), and Niko Resources Limited, Canada, has reported four gas discovereis in the deep water offshore block, KG-DWN-98/3, off the East Coast in the Krishna Godavari (K.G.) Basin. Initial estimates made by RIL, the operator, indicate total inplace gas reserves of about 9 trillion cubic feet. The discoveries are being appraised for determining commerciality for which the procedure with time frame has been provided in the Production Sharing Contract (PSC). Commercial production will depend upon establishment of